।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रथमा

वीर संवत् २५५० **प्रथम खण्ड – लेखी**

सन् २०२४ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

परीक्षा क्रमांक : ..... **केन्द्र का नाम : .....**

(जैन पाठावली – भाग ७)

प्रश्न १. अंकों में जवाब लिखिए। **(१०)**

१. How many bad habits are displayed on the wall? .....
२. बच्चे ने homework के title पर कितने Points लिखे थे? .....
३. जिनाज्ञा और सुबोध ने मॉल में कितने घंटे बिताए? .....
४. आगम में दया के कितने प्रकार बताए हैं? .....
५. कितने गुण पुरुष को सुशोभित करते हैं? .....
६. माध्यस्थता श्रावक का कौन-सा गुण है? .....
७. लेश्या का बोल कौन-सा है? .....
८. विकलेन्द्रिय कितने हैं? .....
९. दृष्टियां कितनी हैं? .....
१०. परमेष्ठी कितने हैं? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(८)**

१. वाणी जिसकी ..... हो, आत्मविकास की दृष्टि।
२. पढाते जो ....., सकल सिद्धांत शिष्यों को।
३. ..... हित ही हरदम चाहे, सभ्यतामय जीवन।
४. ऋतु ..... की ये आई, करे क्रोध की धुलाई।
५. ..... में खोया तू, निज स्वरूप भूला तू।
६. Learn ..... things, go explore.
७. आगम वाणी और ..... के ज्ञाता।
८. ..... काट नहीं सकता मुझको।

प्रश्न ३. आपने नीतिवचनों से क्या सीखा? लिखिए। **(७)**

१. Which cemetery should be kept by every man? .....
२. जो लज्जाहीन हो, उनसे क्या नहीं करनी चाहिए? .....
३. सातों व्यसन किसको उत्पन्न करनेवाले हैं? .....
४. सभी प्रसंगों में मानवीय कौन-सा गुण है? .....
५. देने में दयालुता क्या निर्माण करती है? .....
६. जीवन का रक्षा कवच क्या है? .....
७. निःशुल्क क्या मिलते हैं? .....

प्रश्न ४. निम्न उपमाएं कौन-सी दृष्टि को दी गई है, लिखिए। **(३)**

१. किंशुक के फूल .....
२. सुगंधित पुष्प .....
३. कली .....

प्रश्न ५. सुभाषित के अर्थ को पूर्ण कीजिए। **(१०)**

१. जो वस्तु अभी है पर अगले क्षण का भरोसा नहीं उसमें ..... रखना अनुचित है।
२. ..... धर्मरूपी नदी के किनारे पर सारे धर्म तिनकों के अंकुरों समान है।
३. जीवन ऐसे ..... जिससे परलोक या दूसरे जन्म में चैन मिले।
४. अजितेन्द्रिय के लिए आत्मा शत्रु के समान ..... होता है।
५. ..... का कर्तव्य है कि किसी के प्रति द्वेषभाव न रखे।
६. मनुष्यों को सदा ..... प्राप्ति का प्रयत्न करना चाहिए।
७. आर्त और रौद्र ये दोनों ..... वर्जनीय है।
८. ..... से मनचाही संतान मिलती है।
९. आत्मा अजर-अमर और ..... है।
१०. इसलिए, तू ..... बन।

प्रश्न ६. इन पदों से कौन-सा शब्द वर्णित होता है, पहचानकर लिखिए। **(५)**

जैसे - सम् + वत्स + अरि **संवत्सरी**

१. Duplex Flat System .....
२. लिश्यते प्राणी यया सा .....
३. अत्-सातत्यगमने .....
४. भीतर की आंख .....
५. ध्यै चिन्तायाम् .....

प्रश्न ७. सुबोध ने यह गुण किस विभाग एवं किस shop से सीखा, लिखिए। **(१२)**

	गुण	**गुण विभाग/तत्त्व विभाग**	**Shop Name**
जैसे -	**ध्यान ४ हैं।**	**तत्त्व विभाग**	**उन्नीसवां बोल**
१.	लेश्या स्थूल एवं सूक्ष्म शरीर का सम्पर्क सूत्र है।	.....	.....
२.	Touch feet of every elders.	.....	.....
३.	दृढता के साथ प्रतिज्ञा पालन करें।	.....	.....
४.	अपने कार्य स्वयं ही करूंगा।	.....	.....
५.	अपनी गलती को स्वीकारें।	.....	.....
६.	श्रध्दा ही हमारी दृष्टि है।	.....	.....

प्रश्न ८. निम्नलिखित shop के नाम पूर्ण कीजिए। **(५)**

जैसे : लज्जा का गहना –	**मर्यादा में रहना**
१. हाथ जोडकर –	.....
२. Determine -	.....
३. छोडो आग्रह –	.....
४. सत्कथी रहो –	.....
५. गुणों से प्यार –	.....

प्रश्न ९. निम्नलिखित ध्यान किसके भेद है, पहचानकर लिखिए। **(५)**

जैसे – निदानकरण	**आर्तध्यान**
१. व्युपरत क्रिया निवृत्ति	.....
२. रोग का स्मरण	.....
३. अनिष्ट संयोग	.....
४. संरक्षणानुबंधी	.....
५. आज्ञा विचय	.....

प्रश्न १०. निम्नलिखित तक्ता पूर्ण कीजिए। **(२०)**

लेश्या	**शुभ / अशुभ**	**रंग**	**किसके समान**	**मरकर कौनसी गति**
जैसे– तेजोलेश्या	**शुभ**	**लाल**	**सिन्दूर**	**मनुष्य या देव**
१. कापोतलेश्या	.....	.....	.....	.....
२. शुक्ललेश्या	.....	.....	.....	.....
३. कृष्णलेश्या	.....	.....	.....	.....
४. नीललेश्या	.....	.....	.....	.....
५. पद्मलेश्या	.....	.....	.....	.....

प्रश्न ११. 'क्षमा धर्मः.....स क्षन्तुमर्हति' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। **(५)**

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न १२. निम्नलिखित picture से clue पहचानकर गीतों की पंक्तियों को लिखिए। (१०)

.....

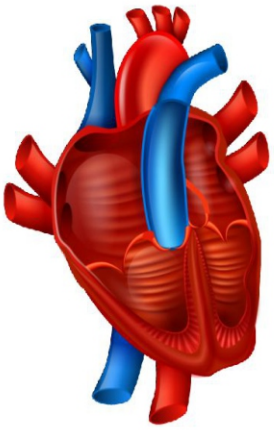

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....